नई सोच, नया आयाम

RNI No. CHHHIN/2009/35020

जोहार छत्तीसगढ़

दैनिक हिन्दी

◆ वर्ष: -14 ◆ अंक: 271 डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्य: 2 ₹ ◆ पृष्ठ : 4

धरमजयगढ़, मंगलवार 9 अगस्त 2022

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in

पेज -3 पर

सिरपुर में दिव्य गंगा आरती के साक्षी बने हजारों श्रद्धालु

आकर्षक झांकी के साथ 108 फीट लंबी कांवर यात्रा निकली

पेज -4 पर

कहा-ईसाई मिशनरीज को घुसने नहीं देंगे, हमारे भाई-बंधुओं को वापस अपने धर्म में लाओ

छत्तीसगढ़ में धर्मसभा पर भड़के ग्रामीण

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में धर्मांतरण को लेकर हंगामा हो गया। सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण एकत्र होकर सड़क पर निकल आए। उन्होंने कहा कि हमारे भाई-बंधु खुद का धर्म छोड़कर ईसाई धर्म को अपना रहे हैं। इससे हमारी संस्कृति खतरे में है।

ग्रामीणों ने बाहर से आए लोगों का विरोध शुरू कर दिया। माहौल बिगड़ने की सूचना मिलने पर स्ब्ररूसहित पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई। ग्रामीणों ने धर्मांतरण नहीं रुकने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

दरअसल राजिम के गांव कौंदकेरा में हर रविवार ईसाई समाज की ओर से प्रार्थना सभा होती है। उसमें बाहरी लोग आते हैं। गांव वाले इसका विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि हम एक ही माता-पिता के बच्चे हैं, लेकिन अब हम भाइयों का धर्म बदल गया है। उन्होंने कहा कि दूसरे धर्म में गए हमारे अपनों को वापस अपने धर्म में लाना है। इस दौरान प्रार्थना के लिए पहुंचे लोगों का ग्रामीणों ने विरोध शुरू कर दिया। इसकी सूचना SDM अविनाश भोई को दी गई।

माहौल बिगड़ने की सूचना पर पहुंची पुलिस फोर्स

गांव में माहौल बिगड़ने की खबर अफसरों तक पहुंची तो राजिम थाना पुलिस फोर्स के साथ पहुंच गई। वहीं नायब तहसीलदार रमाकांत केवार्थ भी पहुंच गए। ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए उन्होंने प्रार्थना सभा करा रहे कांकेर निवासी संतोष कुमार मरकाम को गांव में बाहर से किसी भी ईसाई मिशनरी के सदस्य को नहीं बुलाने की बात कही। ग्रामीणों का कहना है कि आवास गुजर-बसर के लिए दिया था, लेकिन बाहर से आए लोग कुछ साल बाद बेचकर चले जाते हैं।

नहीं रुका धर्मांतरण तो गरियाबंद में करेंगे आंदोलन

लामबंद हुए इन ग्रामीणों ने साफ कह दिया है कि गांव-गांव में लगातार धर्मांतरण हो रहा है। यदि अब धर्मांतरण नहीं रुका, तो गरियाबंद जिला मुख्यालय में वे उग्र आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि अपनी संस्कृति को बचाने के लिए वे हर कदम उठाएंगे। ग्रामीणों ने इलाके में सोशल मीडिया के माध्यम से धर्मांतरण नहीं करने की बात लिखी हुई है। साथ ही ईसाई मिशनरियों को गांव में घुसने के लिए साफ मना किया गया है।

समझ गए तो हमारे, नहीं समझे तो होंगे विदेशी

कुछ ग्रामीणों ने कहा कि धर्म परिवर्तन किए ग्रामीणों को हम अपने धर्म में लाने के लिए हर तरह का प्रयास कर रहे हैं। यदि वे समझ जाते हैं तो हमारे होंगे, नहीं समझते हैं तो हमारे लिए वे विदेशी होंगे। धर्म परिवर्तन किया कोई भी व्यक्ति अगर अपने मूल धर्म में वापस आना चाहेगा, तो उसे एक नारियल देकर वापस लाया जाएगा। सरपंच गणेश डहरिया, हीरा लाल साहू, अनिल मंडल, परस साहू, मकसूदन साहू, सुभाष शर्मा, कोमल घोघरे, कामता परमार, बल्लू साहू, राजेश यादव, ऋषभ साहू, नेमीचंद साहू, दीपक साहू, चंदन निषाद, राहुल साहू, विष्णु निषाद, बीजे निर्मलकर, भानु निर्मलकर, बिहारी निर्मलकर मौके पर मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को विश्व आदिवासी दिवस की दी शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों को विशेषकर आदिवासी समाज के लोगों को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। विश्व आदिवासी दिवस की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा है कि 09 अगस्त छत्तीसगढ़ सहित पूरे विश्व में आदिवासियों के लिए एक महापर्व है। जनजाति बाहुल्य प्रदेश होने के कारण छत्तीसगढ़ को जनजातियों की प्राचीन कला और संस्कृति की अनमोल धरोहर विरासत में मिली है। छत्तीसगढ़ सरकार आदिवासियों की प्राचीनतम विरासत और संस्कृति को सहेजते हुए उनके विकास और उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए संकल्पित है। कोशिश है कि प्रकृति के करीब जीवन जीने वाली यहां की 31 प्रतिशत आदिवासी जनता को सभी आवश्यक नागरिक सुविधाएं और आगे बढ़ने के सभी साधन सुलभ हों। श्री

बघेल ने कहा कि जनजातियों के विकास और हित को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने कई अहम फैसले लिये हैं। लोहंडीगुड़ा में आदिवासियों की 4200 एकड़ जमीन की वापसी, जेलों में बंद आदिवासियों के मामलों की समीक्षा के लिए समिति का गठन, जिला खनिज न्यास के पैसों से आदिवासियों के जीवन स्तर में सुधार का निर्णय, बस्तर और सरगुजा में कर्मचारी चयन बोर्ड की स्थापना और यहां आदिवासी विकास प्राधिकरणों में स्थानीय अध्यक्ष की नियुक्ति से आदिवासी समाज के लिए बेहतर काम करने की कोशिशें जारी हैं।

एक नजर

राज्यपाल ने विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर दी शुभकामनाएं

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर देश और प्रदेश के आदिवासी समाज एवं समस्त नागरिकों को शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ देश के उन प्रदेशों में शामिल है, जहां पर करीब 30.62 प्रतिशत आदिवासी निवासरत् हैं, जिन्होंने अपनी संस्कृति, विचारों, कला और मान्यताओं को सहेजा है। इनकी संस्कृति और परम्पराएं विशिष्ट हैं। आदिवासी समाज ने वास्तव में प्रकृति और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारियां निभाई है। इन्हीं भावों के कारण ही आदिवासी समाज सहज रूप से समृद्ध हुआ है।

शराबी को भीड़ ने लात-घूंसों से भयंकर पीटा, सिर फटा

आने-जाने वाले लोगों को परेशान कर रहा था, गुस्साए लोगों ने सरेराह की पिटाई

भिलाई। भिलाई के सुपेला गदा चौक शराब दुकान के पास एक शराबी की पब्लिक ने बुरी तरह पिटाई कर दी। लोगों ने उसे इतना मारा कि उसका सिर फट गया।

लोगों का आरोप था कि शराब के नशे में डंडा लेकर युवक सभी को मार रहा था। इससे कई राहगीर घायल हो गए। इसीलिए उसे मारा गया। बाद में सुपला पुलिस मौके पर पहुंची और शराब की अस्पताल लेकर गई।

घायल का नाम दिलीप सहारे है। वह गदा चौक के पास ही रहता है। वह मुर्गी गाड़ी चलाता है। सोमवार शाम 4 बजे के करीब वह शराब के नशे में डंडा लेकर सड़क से आने-जाने वाले लोगों को दौड़ा दौड़ा कर मार रहा था। आसपास के लोगों व दुकान संचालकों ने उसे मना भी किया, लेकिन वह नहीं मान रहा था। दिलीप अपने पास एक पिट्ठू बैग रखा हुआ था। उस बैग को उसने एक बाइक चालक के चेहरे में फेंककर मारा इससे बाइक सवार सड़क पर गिर गया। इसके बाद वह दूर घिसटता चला गया और बुरी तरह घायल हो गया।

आसपास के लोगों ने बाइक सवार को उठाया। जिसके बाद लोग इतने गुस्से में आ गए कि पास पड़े बांस के डंडे से उसकी बुरी तरह पिटाई कर दी। करीब 50 से अधिक लोगों ने लात, घूंसे व डंडे से इतना मारा कि दिलीप का सिर फट गया और वह खून से लथपथ हो गया।

आसपास के लोगों ने बताया कि उन्होंने डायल 112 में फोन किया, लेकिन पेट्रोलिंग टीम नहीं आई। इसके बाद भास्कर ने सुपेला टाई दुर्गेश शर्मा को मामले की जानकारी दी। टीआई ने तुरंत थाने की पेट्रोलिंग टीम और 112 की गाड़ी को मौके पर भेजा। इसके बाद पुलिस कर्मियों ने दिलीप को घायल हालत में 112 वाहन में बिठाया और सुपेला अस्पताल पहुंचाया। वहां उसका उपचार चल रहा है।

ऑटोचालक की पीट-पीटकर हत्या, फिर जमकर बवाल

रोती बिलखती थाने पहुंची पत्नी बोली-साहब उन बदमाशों को फांसी पर लटकाओ

रायपुर। रायपुर के भाटागांव स्थित BSUP कॉलोनी में एक युवक की हत्या कर दी गई। दो दिन पहले इस युवक पर जानलेवा हमला हुआ था, एक प्राइवेट अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। सोमवार को इस युवक की मौत हो गई। परिजन उसका शव लेकर टिकरापारा थाने पहुंच गए और हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। लोगों ने थाने का घेराव कर हंगामा कर दिया। युवक का नाम अजय तांडी बताया जा रहा है। अजय ऑटो चलाने का काम करता था। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि भाटागांव कॉलोनी में रहने वाले एक युवक के साथ मिलकर बाहर से आए तीन युवकों ने मिलकर 6 अगस्त को अजय पर आधी रात करीब 3 बजे हमला किया था। उसे बत्ते से पीटा, इतना मारा था कि अजय अधमरा हो गया था। उसे अस्पताल ले जाया गया।

वसूली की वजह से विवाद

स्थानीय लोगों ने बताया मारपीट करने वाले हमलावर नशाखोरी करते थे। अजय से भी नशे की चीजों के लिए रुपए मांगा था। मोबाइल फोन को लेकर भी कोई पुराना विवाद हुआ था। इसके बाद आधी रात घर घुसकर उसपर हमला किया गया। हालांकि पुलिस ने इस कांड को लेकर अब तक कुछ भी नहीं कहा है, परिजनों से पूछताछ जारी है।

हाट बाजार में इलाज कराकर स्वस्थ हुए शिवनारायण और मोहित, नियमित जांच और नि:शुल्क दवाईयों से मिली राहत

मुख्यमंत्री की पहल से लाभांवित हो रहे हैं सुदूर अंचल के ग्रामीण

हाट बाजार क्लीनिक योजना की बढ़ रही है मांग, लोगों को मिल रहा है नि:शुल्क जांच एवं दवाईयों का लाभ

रायपुर। 48 साल के शिवनारायण कोरिया जिले के रतनपुर के रहने वाले हैं। शिव नारायण को पिछले कुछ समय से कमजोरी महसूस हो रही थी। इन्हें पेट दर्द और कमर दर्द की समस्या थी। इन्होंने रतनपुर के हाट बाजार में उपस्थित मोबाइल मेडिकल यूनिट में अपनी जांच कराई। हाट बाज़ार क्लीनिक में उनके बीपी, शुगर तथा हीमोग्लोबिन की जांच की गई। जांच में हीमोग्लोबिन की मात्रा कम पाए जाने पर डॉक्टरों ने शिव नारायण को नि:शुल्क दवाइयां दी तथा खानपान के सम्बन्ध में सलाह भी दी। अब शिव नारायण तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं और पहले से बेहतर महसूस कर रहे हैं। इसी तरह से कोरिया जिले के ही रहने वाले 51 वर्षीय मोहित विश्वकर्मा हाई बीपी और सिर दर्द की समस्या से पीड़ित थे। इनका कहना है कि हाट बाजार क्लीनिक में डॉक्टरों द्वारा दी गयी दवाइयों से इन्हें राहत मिली है और अब ये नियमित रूप से हाट बाजार में अपना इलाज करवा रहे हैं।

ठगी के मामले में 7 वर्षों से फरार महिला गिरफ्तार

रायपुर। टीएमटी सरिया खरीदकर 48 लाख से अधिक की ठगी करने वाली महिला को 7 साल बाद पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी आर.आर. सिंह, बालाजी लोहा कंपनी का डायरेक्टर है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया था कि आरोपी मेसर्स रानी सती सेल्स महासमुंद छत्तीसगढ़ की प्रोपाइटर हेमा खेतान, पंकज खेतान एवं उसके सहयोगी द्वारा टीएमटी सरिया क्रय कर कुल 48,33,301 रुपए का भुगतान नहीं किया था।

अनुशासन एवं राष्ट्र प्रेम की भावना बढ़ाता है स्काउट गाइड- डॉ प्रेमसाय सिंह

रायपुर। भारत स्काउट गाइड की राज्य स्तरीय बैठक आज सर्किट हाउस के सभागार में आयोजित हुई। जिसमें स्काउट गाइड के गतिविधियों एवं उसके दायित्व से कैडेटों को अवगत कराया गया। अध्यक्ष भारत स्काउट्स एवं गाइड्स परिषद एवं मंत्री स्कूल शिक्षा राज्य प्रशासन डॉ. प्रेमसाय सिंह ने कहा कि स्काउट गाइड बच्चों में राष्ट्र प्रेम के साथ अनुशासन की सीख देता है। शिक्षा के साथ-साथ ऐसी गतिविधि निश्चय ही छात्रों को आगे बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि सभी विद्यालयों से स्काउट गाइड का समन्वय स्थापित कर इसके कार्य योजना को मजबूती दी जाएगी। श्री टेकाम ने कहा कि प्रत्येक स्कूल में स्काउट गाइड की गतिविधि से बच्चों को जोड़ना है। जिससे समाज में स्काउट गाइड के माध्यम से समाज सेवा अनुशासन एवं राष्ट्र प्रेम की भावना को विकसित किया जा सके। छत्तीसगढ़ राज्य की स्काउटिंग का हमारे देश में अहम योगदान है कोरोना काल में भी यहां के स्काउटर सेवा कार्य जैसे भोजन वितरण, सूखा राशन वितरण, घर-घर दवा पहुंचाने तथा आम लोगों में जागरूकता फैलाने का काम कर रहे थे। राज्य में प्रतिवर्ष विभिन्न कार्यक्रम होते हैं। शिक्षा विभाग एवं आदिम जाति कल्याण विभाग से लगभग 2 हजार बच्चे प्रति वर्ष निरूशुल्क पंचमढ़ी, कुल्लू मनाली, दार्जिलिंग में जाकर डिजास्टर मैनेजमेंट एवं एडवेंचर्स का कोर्स कर रहे हैं। राज्य स्तर में ट्रेकिंग, कब बुलबुल उत्सव, रैली जैसे कार्यक्रम भी अनवरत जारी है।

नाव में तिरंगा यात्रा

महानदी में 120 लोग राष्ट्रीय ध्वज लेकर निकले

जांजगीर-चांपा/बेमेतरा। आजादी के अमृत महोत्सव का जश्न जारी है। छत्तीसगढ़ में पहली बार नाव से तिरंगा यात्रा निकाली गई। BJP नेताओं की अगुवाई में 120 से ज्यादा लोग महानदी में नाव लेकर उतरे।

यह कवायद हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए की गई। वहीं इस महोत्सव का साक्षी बनने के लिए राजिम के कृष्ण कुमार सैनी दिल्ली की पदयात्रा पर निकले हैं। मकसद लोगों में राष्ट्र भक्ति की भावना का प्रसार करना है।

दरअसल, आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर राष्ट्रीय स्तर पर विशेष आयोजन किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 से 15 अगस्त के बीच लोगों से अपने घरों में तिरंगा फहराने की अपील की है। आयोजन की सफलता के लिए अलग-अलग स्तर पर कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसी के तहत जांजगीर में जैजैपुर के ग्राम बरेकेल में महानदी में नाव से 2 किमी तक तिरंगा रैली निकाली गई। इस रैली में 10 नाव शामिल हुईं। नदी में तिरंगा रैली पहली बार प्रदेश में निकालने का दावा किया जा रहा है। रैली बेरकेल से हसौद सरसीवा पुल तक निकाली गई। इस दौरान रैली में शामिल लोगों ने हर घर में तिरंगा फहराने की अपील की। रैली का आयोजन पूर्व विधायक निर्मल सिन्हा ने किया था। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष कैलाश साहू, सरपंच पति दुर्गा लाल केवट, सुखदेव खूंटे सहित तमाम भाजपा नेता, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग शामिल थे।

दिल्ली की पदयात्रा पर निकले कृष्ण कुमार सैनी

रायपुर से शुरू की है कृष्ण सैनी ने अपनी यात्रा

वहीं दूसरी ओर राजिम के रहने वाले कृष्ण कुमार सैनी तिरंगा लेकर पदयात्रा पर निकले हैं। उनकी यह यात्रा रायपुर के भारत माता चौक से शुरू हुई है। इस दौरान बेमेतरा पहुंचने पर पुराना बस स्टैंड के घड़ी चौक पर स्वागत किया गया। इसके बाद उनकी यात्रा कवर्धा से चिल्फी होते हुए आगे बढ़ गई है। कृष्ण सैनी 13 जून को लगातार 26 घंटे में 140 किलोमीटर की अपनी पदयात्रा पूरी कर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज करा चुके हैं।

एसपी ने शुरू की पुलिसकर्मियों के लिए अनूठी पहल...

जवानों को मिलेगा छुट्टी

राजनांदगांव। राजनांदगांव एसपी प्रफुल्ल ठाकुर ने जिले के पुलिसकर्मियों के लिए अनूठी पहल शुरू की है। अब जन्मदिन के दिन राजनांदगांव में पुलिसकर्मियों को छुट्टी दी जायेगी। वहीं एसपी की तरफ से हैप्पी बर्थडे मैसेज वाले ग्रीटिंग के साथ मिठाई और गुलदस्ता भी भेंट किया जायेगा। ये अनूठी पहल जिले के सभी पुलिस अधिकारी से लेकर पुलिस जवान तक के पुलिसकर्मियों के लिए होगी।

पुलिसकर्मियों को 1 दिन का अवकाश देकर अपने परिवार के साथ समय व्यतीत कर जन्मदिन मनाने हेतु कहा गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर द्वारा (01) उ.नि. अजयकांत तिवारी, (02) प्र.आर.(चालक) 72 विमल कोशे, (03) प्र.आर. 202 सिप्रियानुस केरकेट्टा, (04) आर. 22 ईश्वर लाल साहू, (05) आर. 85 इकेश्वर ध्रुव, (06) म.आर. 114 राजकुमारी रत्नाकर को जन्म दिन के अवसर पर ग्रीटिंग, पुष्पगुच्छ एवं मीठाई भेंट कर दी गई बधाई एवं शुभकानाओं के साथ इस पहल की शुरुआत की। इस दौरान जन्मदिन वाले अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) अकाश मरकाम, डीएसपी नेहा वर्मा, डीएसपी (ऑप्स) अजीत ओगरे, थाना प्रभारी मानपुर, गातापार एवं कार्यालयीन स्टाफ उपस्थित थे। अपने कप्तान के हाथों भेंट पाकर अधिकारियों कर्मचारियों में हर्ष का माहौल था।

भारत की खेलों में दशा 'नौ दिन चले अढ़ाई कोस' वाली, कैसे सुधरेगी स्थिति ?

देश को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त हुए 75 साल हो गए हैं। इन दिनों देश आजादी के अमृत महोत्सव के जश्न में डूबा हुआ है। 75 साल की इस यात्रा को पीछे मुड़कर देखें तो कई क्षेत्रों में भारत ने अभूतपूर्व तरक्की की है। फिर भी कई सेक्टर्स ऐसे हैं, जहां आज भी हम दुनिया के कई देशों से मीलों पीछे हैं। खेल उन्हीं में से एक है। 130 करोड़ की विशाल आबादी वाले भारत की खेलों में दशा नौ दिन चले अढ़ाई कोस वाली है।

कारण, खेलों को लेकर आज भी उचित वातावरण देश में बन नहीं पाया है, जिसके चलते समाज में बहुत बड़े तबके की रुचि बच्चों को खेलों में भेजने की नहीं है। हालांकि, विगत दो-तीन दशकों में कुछ परिवर्तन देखने को मिला है।

दुनिया में ओलंपिक खेलों का महाकुंभ है। 35 खेलों को ओलंपिक में शामिल किया गया है। ओलंपिक में भारत की 75 वर्ष की यात्रा देखें तो हमने अब तक 7 गोल्ड, 7 सिल्वर और 16 कांस्य पदक जीते हैं। 7 में 5 बार गोल्ड तो भारतीय हॉकी टीम लाई है, जिसकी आज देश में क्या दुर्दशा है? यह जगजाहिर है।

व्यक्तिगत स्पर्धा में पहली बार बीजिंग ओलंपिक- 2008 में 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग में अभिनव बिंद्रा ने देश के लिए गोल्ड जीता था। व्यक्तिगत स्पर्धा में दूसरा गोल्ड टोक्यो ओलंपिक-2020 में नीरज चोपड़ा ने जेवलिन थ्रो में जीता। नीरज तो एथलेटिक्स में देश के लिए पहली बार गोल्ड लेकर आए। ओलंपिक में मेडल जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों के नाम हम उंगलियों पर गिन सकते हैं।

ओलंपिक में शामिल कई खेलों में तो भारत क्वालीफाई तक नहीं कर पा रहा या कई खेल हमारे यहां खेले ही नहीं जा रहे।

टोक्यो ओलंपिक- 2020 में पहली बार हमारी तलवारबाज आनंद सुंदररामन भवानी देवी ने क्वालीफाई किया। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, बॉक्सिंग, शूटिंग, बैडमिंटन, टेनिस में भारतीय खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया है। अभिनव बिंद्रा, नीरज चोपड़ा, साइना नेहवाल, पीवी सिंधु, राज्यवर्धन सिंह राठौड़, विजेंद्र सिंह, सुशील कुमार, विजय कुमार, मैरीकॉम, मीराबाई चीनू जैसे पदक विजेताओं ने देश में युवाओं को नया प्रोत्साहन दिया है। एशियन और कॉमनवेल्थ गेम्स में हम जरूर कुछ बेहतर प्रदर्शन करते हैं, पर इन इवेंट्स में खेलों के महारथी देश भाग ही नहीं लेते।

ओलंपिक में भारत की 75 वर्ष की यात्रा देखें तो हमने अब तक 7 गोल्ड, 7 सिल्वर और 16 कांस्य पदक जीते हैं। 7 में 5 बार गोल्ड तो भारतीय हॉकी टीम लाई है, जिसकी आज देश में क्या दुर्दशा है? यह जगजाहिर है।

आजादी के बाद खेल न तो सरकार की प्राथमिकता में था और न समाज की। वर्ष 1982 तक भारत सरकार में खेलों को लेकर कोई मंत्रालय या विभाग तक नहीं था। 1982 में नई दिल्ली में जब एशियन गेम्स होने थे, तब पहली बार केंद्र सरकार ने डिपार्टमेंट ऑफ स्पोर्ट्स बनाया। 1985 में इंटरनेशनल यूथ ईयर के समय इसे डिपार्टमेंट ऑफ यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स कर दिया गया।

आजादी के 53 साल बाद यानी 27 मई 2000 को देश को पहली बार स्वतंत्र खेल मंत्रालय मिल सका। वर्ष 2008 में स्पोर्ट्स और यूथ अफेयर्स को अलग किया गया। वर्तमान में खेल मंत्रालय का 653 करोड़ रुपए का बजट है। सुखद यह है कि वर्तमान में स्पोर्ट्स इंफास्ट्रक्चर और खिलाड़ियों की ट्रेनिंग पर सरकार विशेष रूप से ध्यान दे रही है।

आज विदेशों में कोचिंग के अलावा विदेशी एक्सपर्ट की सहायता लेने में सरकार पीछे नहीं है। टोक्यो ओलंपिक में इसके नतीजे देखने को मिले थे। अच्छी बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खेलों को लेकर खास दिलचस्पी लेते हैं।

खेलों में भारतीय सेना की भूमिका भी अहम है। आजादी के बाद यदि कहीं खेलों को लेकर गंभीरता रही है तो वह भारतीय सेना में ही रही है। भारतीय सेना में अपने स्तर पर कई बड़े खिलाड़ी तैयार किए। ओलंपिक पदक विजेता राज्यवर्धन सिंह राठौड़, विजय कुमार, नीरज चोपड़ा ऐसे ही बड़े नाम हैं। हॉकी टीम में सेना के खिलाड़ी शामिल होते रहे हैं।

हॉकी के जादूगर ध्यानचंद सेना में मेजर थे। रेलवे, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया, इंडियन ऑयल जैसे सरकारी विभाग और कई निजी कंपनियां भी खिलाड़ियों को सपोर्ट कर रही हैं। कई राज्य सरकारों ने खिलाड़ियों को तैयार करने का बीड़ा उठाया है।

वैसे, क्रिकेट के बिना भारत में खेलों की कल्पना नहीं की जा सकती। अच्छा और बुरा, दोनों पक्ष क्रिकेट के साथ जुड़े हैं। क्रिकेट के आलोचकों का मत है कि क्रिकेट के कारण भारत में अन्य खेलों को सही प्रोत्साहन नहीं मिला। दुनिया के मुट्ठी भर देशों में ही खेले जाने वाले क्रिकेट में हमने अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया।

सरकार ने परोक्ष तो नहीं, लेकिन अपरोक्ष रूप से क्रिकेट का ज्यादा भला किया। देश में आज अन्य खेलों की अपेक्षा क्रिकेट के सर्वाधिक मैदान हैं, जबकि आजाद भारत में 5 ओलंपिक मेडल दिलाने वाली हॉकी के टर्फ मैदान 22-25 ही होंगे। कुछ ऐसी ही स्थिति अन्य खेलों को लेकर भी है। विडंबना यह है कि भारत आज तक किसी एक खेल को राष्ट्रीय खेल तक घोषित नहीं कर पाया है। वर्ष 2020 में सरकार ने एक आर.टी.आई के जवाब में स्पष्ट किया था कि भारत का कोई आधिकारिक राष्ट्रीय खेल नहीं है।

विनोद पाठक

संपादकीय

भारत से प्रतिभा पलायन

भारत के लिये यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं चिन्ता का विषय है कि भारत के लोग भारत की नागरिकता छोड़ रहे हैं। पिछले तीन साल से औसतन 358 लोग प्रतिदिन और प्रतिवर्ष लगभग 1 लाख 63 हजार लोग भारत की नागरिकता त्यागकर विदेशों में बस गये हैं। भारत से पलायन कर विदेशों में बसने के क्या कारण है? ऐसा क्यों हो रहा है? क्या आम नागरिकों को जिस तरह का सहज एवं शांतिपूर्ण जीवन अपेक्षित होता है, उसका अभाव पलायन का कारण है? क्या रोजगार एवं जीवन निर्वाह की मूलभूत सुविधाएं सुलभ कराने में सरकार नाकाम हो रही है? जो भी कारण हो, नागरिकों का भारत से पलायन एक गंभीर समस्या है, इसके कारणों का पता लगाकर उस पर नियंत्रण किया जाना नितान्त अपेक्षित है। हालांकि, भारत दुनिया में तेजी से आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर होता राष्ट्र है। देश में विकास की फिजां बन रही है, शांति का हिंसामुक्त वातावरण बन रहा है। रोजगार एवं व्यापार की अनेक संभावनाएं उजागर हो रही हैं। तभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व में नागरिकों से अपील की थी कि उनका उद्देश्य अपने देश की सेवा एवं विकास होना चाहिए, फिर भी न जाने क्यों, इतनी बड़ी संख्या में भारतीय पलायन कर रहे हैं? उनको समझना चाहिए कि यदि इसी गति से प्रतिभाओं एवं नागरिकों का पलायन होता रहेगा, तो राष्ट्र विरोधी तत्व अधिक मजबूत होंगे। संभवतः देश की शिक्षा नीति में ही कोई कमी रही होगी कि पिछले अनेक वर्षों से हमारा देश पैसा बनाने की मशीनें तैयार करता रहा है। जिम्मेदार और जागरूक नागरिक अब भी कम दिखाई पड़ते हैं। ये

मालदीव से बेहतर होते रिश्ते, कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने पर हो रहा काम

मालदीव में राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह के सत्ता में आने के बाद भारत के साथ संबंधों में जो प्रगाढ़ता आई थी, सोलिह की हालिया यात्रा से वह और मजबूत हुई है। वर्ष 2018 के बाद से राष्ट्रपति सोलिह की यह तीसरी भारत यात्रा थी, जिसमें भारत-मालदीव के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया। इसके अलावा, भारत ने खुद को मालदीव के एक महत्वपूर्ण विकास और सुरक्षा भागीदार के रूप में भी पेश किया।

इस यात्रा के दौरान हुए घटनाक्रमों से मालदीव के अगले राष्ट्रपति चुनाव में सोलिह को बढ़त मिलने की उम्मीद है, जहां उन्हें चीन समर्थक पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन से बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

मालदीव में चीन अपने बुनियादी ढांचे के माध्यम से बड़ी पैठ बनाने की कोशिश कर रहा है। विकासशील देश होने के नाते मालदीव को कनेक्टिविटी में सुधार के लिए ढांचागत विकास की आवश्यकता है। मालदीव एक द्वीप समूह वाला राष्ट्र है और शायद यह सबसे अधिक फैले हुए द्वीपीय देशों में से एक है। यहां तक कि माले शहर का हवाई अड्डा भी एक दूसरे द्वीप हुलहुले में स्थित है। चीन ने एक पुल का निर्माण कर हुलहुले को माले से जोड़ा है। इस पुल का शुरू में मालदीव के लोगों ने स्वागत किया था, पर उनका उत्साह जल्द ही खत्म हो गया, जब उन्हें पता चला कि ये भव्य चीनी ढांचागत परियोजनाएं बड़ी कीमत पर आ रही हैं। इसने देश पर भारी कर्ज का बोझ लाद दिया। वास्तव में मालदीव को इस बात का डर है कि वह भी पड़ोसी श्रीलंका की तरह कर्ज के जाल में फंस सकता है। साथ ही, वह यह भी चाहता है कि देश पर कर्ज का बोझ डाले बिना उसकी ढांचागत जरूरतों का ध्यान रखा जाए।

मालदीव का करीबी पड़ोसी होने के नाते भारत वहां कनेक्टिविटी में सुधार के लिए मदद करना चाह रहा है और इसी उद्देश्य से ग्रेट माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट की शुरुआत की गई है।

मालदीव का करीबी पड़ोसी होने के नाते भारत वहां कनेक्टिविटी में सुधार के लिए मदद करना चाह रहा है और इसी उद्देश्य से ग्रेट माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट की शुरुआत की गई है। सोलिह की यात्रा का एक उद्देश्य परियोजना के औपचारिक शुभारंभ का संकेत देने वाले आभासी शिलान्यास समारोह में भाग लेना था। यह परियोजना मालदीव के चार द्वीपों को जोड़ेगी। इससे लॉजिस्टिक लागत में कमी आएगी और उन द्वीपों में जन-केंद्रित आर्थिक विकास को गति मिलेगी। यह पड़ोस में भारत की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक होगी। परियोजना की लागत लगभग 50 करोड़ डॉलर है, जिसमें से 10 करोड़ डॉलर अनुदान है। मोदी और सोलिह इसे समय पर पूरा होते देखना चाहते हैं। भारत ने मालदीव में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए 10 करोड़ डॉलर की एक नई लाइन ऑफ क्रेडिट की भी पेशकश की। इसके अलावा, भारत पहले से ही एक्जिम बैंक ऑफ इंडिया के बायर्स क्रेडिट फाइनेंसिंग के तहत ग्रेटर माले में 4,000 आवास इकाइयां विकसित कर रहा है। इसे मालदीव सरकार ने अपने नागरिकों को किफायती आवास प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया है। भारत ने 1.19 करोड़ डॉलर की लागत से ग्रेटर माले में 2,000 और आवास इकाइयों का निर्माण करने का निर्णय लिया है। इसके लिए समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं। भारत अभी 45 सामुदायिक विकास परियोजनाओं में लगा हुआ है, जिसे मालदीव में अनुदान सहायता के जरिये कार्यान्वित किया जा रहा है। ये परियोजनाएं इस द्वीपीय देश के लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। भारत और मालदीव रक्षा क्षेत्र में भी करीबी साझेदार हैं और दोनों पक्षों ने इस बात को दोहराया कि उनकी साझेदारी हिंद महासागर क्षेत्र में स्थिरता के लिए एक ताकत है। इस साझेदारी को और मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। दोनों पक्षों ने माना कि उनकी सुरक्षा आपस में जुड़ी हुई है और उन्हें एक-दूसरे की सुरक्षा चिंताओं के प्रति सचेत रहना होगा।

आनंद कुमार

मिला जुला

अनेक संघर्षों से समाज की मुख्यधारा की ओर अग्रसर-आदिवासी समाज

जोहार छत्तीसगढ़- रायगढ़।

विश्व आदिवासी दिवस उन विशेष लोगों को समर्पित विशेष दिवस है। जिसका कालखंड सदियों पुरानी व प्राचीन जमीन स्तर से जुड़कर समाजोन्मुखी, देशहित में काम करने वाले जन समुदाय, जननायकों की याद दिलाता है। जिनका अथक योगदान मरते दम तक बना रहा जैसे बिरसा मुंडा, वीर नारायण सिंह, रानी दुर्गावती जैसे समीचीन अनगिनत इस देश की गौरव गाथा का प्रतीक रहा हैं। आदिवासी समाज जन, जंगल, जमीन से जुड़कर आज तक संघर्षरत हैं। यदि हम बात करें आदिवासी कौन होते हैं और आदिवासी शब्द कैसे बना है। तो आदिवासी शब्द दो शब्दों से आदि और वासी से मिलकर बना है। जिसका तात्पर्य है जो आदि काल से वास कर रहा हो अर्थात मूल निवासी हो। भारत में जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा आदिवासियों का है। भारत देश में 11 करोड़ से ज्यादा आबादी लगभग वास करते हैं। पुरातन संस्कृत ग्रंथों में आदिवासियों को अत्विका और वनवासी भी कहा गया है। भारतीय संविधान की पांचवी अनुसूची में आदिवासियों के लिए अनुसूचित जनजातियों का उपयोग किया गया है।

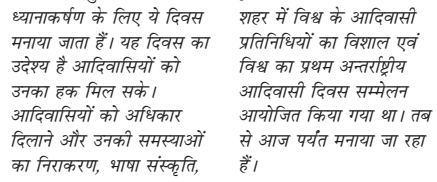

विश्व आदिवासी दिवस की शुरुआत

संयुक्त राष्ट्र संघ जिसका मुख्य उदेश्य पुरे विश्व में शांति स्थापना और बंधुतापूर्ण संपर्क देशों के बीच बढ़ाना हैं, 1994 में प्रतिवर्ष 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाने का फैसला लिया गया। जनजातीय समाज के समस्याओं जैसे गरीबी, अशिक्षा, स्वास्थ्य सुविधा का अभाव, बेरोजगारी एवं बंधुआ मजदूर अदि निराकरण हेतु और विश्व के ध्यानाकर्षण के लिए ये दिवस मनाया जाता हैं। यह दिवस का उदेश्य है आदिवासियों को उनका हक मिल सके। आदिवासियों को अधिकार दिलाने और उनकी समस्याओं का निराकरण, भाषा संस्कृति, इतिहास के संरक्षण के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा द्वारा 9 अगस्त 1994 में जेनेवा शहर में विश्व के आदिवासी प्रतिनिधियों का विशाल एवं विश्व का प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस सम्मेलन आयोजित किया गया था। तब से आज पर्यंत मनाया जा रहा हैं।

आदिवासी समाज

छत्तीसगढ़ के अधिकांश भाग में गोड़ जनजाति फैले हुए हैं। पहले महाकौशल में सम्मिलित भूभाग का अधिकांश हिस्सा गोंडवाना कहलाता था। आजादी के पूर्व छत्तीसगढ़ राज्य के अंतर्गत आने वाली 14 रियासतों में 4 रियासत मशः कवर्धा, रायगढ़, सारंगढ़ एवं शक्ति गोंड रियासत था। गोंडों ने श्रेष्ठ सौन्दर्यपरक संस्कृति विकसित की है। वृत्य व गायन उनका प्रमुख मनोरंजन है। बस्तर क्षेत्र की गोंड जनजातियां अपने सांस्कृतिक एवं सामाजिक जीवन के लिए महत्वपूर्ण समझी जाती हैं। ये लोग व्यवस्थित रूप से गाँवों में रहते हैं। मुख्य व्यवसाय कृषि कार्य एवं लकड़हारे का कार्य करना है। इनकी कृषि प्रथा डिप्पा कहलाती है। इनमें ईमानदारी बहुत होती है। इसी तरह भारत के प्रमुख आदिवासी समुदायों में संथाल, गोंड, मुंडा, बोडो, भील खासी सहरिया गरासिया, मीणा, उरांव, बिरहोर आदि हैं। आदिवासियों का अपना धर्म है। ये प्रकृति के पूजक हैं और जंगल पहाड़ नदियों एवं सूर्य की आराधना करते हैं। इनके अपने पारंपरिक परिधान होते हैं जो ज्यादातर प्रकृति से जुडे होते हैं। इनका रहन सहन बोलचाल खाद्य सामग्री भी अलग होता हैं। कन्दमूल का भी सेवन करते हैं। भारत में आदिवासी मुख्यरूप से उड़ीसा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्रए आंध्र प्रदेश, बिहार, झारखंडए पश्चिम बंगाल में अल्पसंख्यक है जबकि भारतीय पूर्वोत्तर राज्यों में यह बहुसंख्यक हैं। जैसे मिजोरम में ये बहुसंख्यक है। इसी तरह अनगिनत जनजाति छत्तीसगढ़ के भूभाग में भी निवासरत हैं जिनमें कोरवा, उरांव, भतरा, कँवर, कमार, माड़िया, मुड़िया, भैना, भारिया, बिंझवार, धनवार, नगेशिया, मंझवार, खैरवार, भुंजिया, पारथी, खरिया, गड़ाबा या गड़वा, महरा, महार, माहरा इत्यादि हैं।

संघर्षों से जूझता समाज

आज आजादी की पचहत्तरवीं वर्षगाँठ आजादी की अमृत महोत्सव के नाम से मनाया जा रहा। पर क्या उन शोषित, वॉचित,, दलित और आदिवासी समाज को सही आजादी का उपहार दे पाये। इसका आकलन व चिंतन करने की आवश्यकता है। भले ही आदिवासी दिवस को पूरे विश्व में मनाया जा रहा हो। आज शनैः शनैः देश काल परिस्थितियों के अनुसार कुछेक उनके व्यक्तिगत जीवन रहन-सहन में सुधार हो रहा है। यदि मूलभूत जीवन की गहराईओं तक जाए तो काफी संघर्षपूर्ण इनका जीवन रहा हैं अथवा आज भी हैं। लेकिन इसके बावजूद मुझे नहीं लगता कि दुनियाभर में आदिवासियों की हालत में शायद ही कोई उल्लेखनीय सुधार हुई हो। बिडम्बना यह हैं की तेजी से आर्थिक विकास के बावजूद, आदिवासी समाज विभिन्न पहलुओं से मुख्यधारा से आज भी बाहर है।शिक्षा से लेकर समाज के सर्वोत्तम स्तर तक। जीवन सदैव संघर्षों से, सामाजिक विद्रूपताओं से लड़ते शीर्ष नेतृत्व तक रहा हो परन्तु कही न कही हेय की दृष्टि से भी देखना आगे नहीं बढ़ने का कारण रहा हैं। आज भले ही आरक्षण का मापदंड से भी आँकते हैं परन्तु उनके जमीनी स्तर से एक शीर्षस्थ पदों तक आने में कही न कहीं संघर्षों से भरा होता हैं। अभी वर्तमान में देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आदिवासी समाज से राष्ट्रपति का होना उन करोड़ों संघर्षरत आदिवासी समुदाय के लिए मिशाल है।जो ये सोचते थे कि वहाँ तक पहुँचना असंभव हैं। बहरहाल महामहिम राष्ट्रपति का व्यक्तिगत जीवन अत्यंत संघर्ष भरा रहा, और आज देश के सर्वोच्च पद पर आसीन हैं।

अंधे कत्ल की गुत्थी 24 घंटे के अंदर बेमेतरा पुलिस ने सुलझाई, पुत्र ही निकला पिता का हत्यारा

जोहार छत्तीसगढ़- बेमेतरा।

दौवा सोनकर पिता गिरधारी सोनकर उम्र 22 साल साकिन अतरझोला थाना साजा जिला बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि सुरही नदी किनारे ग्राम अतरझोला में इन लोगों का 10 एकड कृषि भूमि है जहां रोज कि तरह इसका पिता गिरधारी सोनकर 5 अगस्त 2022 को सुबह 8 बजे खेत काम पर गया था जिसके लिए वह सुबह खाना पहुंचाने खेत गया और अपने पिता को बताकर खाना को खेत के मेड़ के नीम झाड़ में खाना को टांग दिया तब इसके पिता इसे बोला की घर में सबका तबियत खराब है इलाज के लिए लकड़ी बेचा हूं।

जिसका पैसा लाने बढ़ाई के पास ग्राम बरगड़ा जाउंगा बोला तब वह उसे 100 रूपये दिया था उस दिन इसके पिता रात्रि में घर नहीं आया तब दूसरे दिन 6 अगस्त 2022 को सुबह अपने पिता के लिए खाना छोड़ने खेत गया था उस समय इसके पिता खेत में नहीं था कही इधर उधर गया होगा बोलकर टीफिन में रखा हुआ खाना नीम पेड़ में लटकाकर वापस घर आ गया। शाम को जब इसके पिता घर नहीं आया तब अपने गांव के लोगों के साथ अपने खेत के आसपास अपने पिता का पता तलाश किये कोई पता नही चलाए 7 अगस्त 2022 को वह अपने गांव वालो के साथ पता तलास करने खेत तरुफ गया तो इसके पिता गिरधारी सोनकर का शव इसके खेत से लगा हुआ सुरही नदी के किनारे पानी में चित अवस्था में ऊफ ला था शव को इसके साथ गये गांव के लोगों के साथ पानी से बाहर निकालकर देखा तो पिता के सिर में चोट लगा था एवं कमर में बिजली सर्विस वायर से पत्थर बंधा था कि 5 अगस्त 2022 से 7 अगस्त 2022 के मध्य अज्ञात आरोपी द्वारा इसके पिता गिरधारी सोनकर उम्र 50 साल के सिर में किसी अज्ञात वस्तु से ठोकर मारकर हत्या कर साक्ष्य छुपाने की नियत से मृतक गिरधारी सोनकर उम्र 50 साल के कमर में बिजली सर्विस वायर से पत्थर बांधकर ग्राम अतरझोला के सुरही नदी में डुबा देने कि रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 225/2022 धारा 302, 201 भादवि पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक बेमेतरा धर्मेन्द्र सिंह, अति. पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल, एसडीओपी बेरला तेजराम पटेल एवं थाना प्रभारी साजा एवं स्टाफ द्वारा तत्काल मौके का मुआयना किया गया। मुआयना करने पर मृतक की हत्या करना अनेकानेक संदेहों को जन्म दे रहा था। तथा यह भी प्रतीत हुआ कि घटना किसी जानकार व्यक्ति द्वारा ही किया गया है। मामले की गंभीरता को मद्देनजर रखते हुए पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज बी एन मीणा के सतत मॉनिटरिंग एवं पुलिस अधीक्षक बेमेतरा धर्मेन्द्र सिंह द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल को निर्देशित कर एसडीओपी बेरला तेजराम पटेल के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। जिसमें थाना प्रभारी साजा व थाना साजा स्टाफ एवं सउनि अरविंद शर्मा की टीम को अज्ञात हत्यारे की पतासाजी हेतु लगाया गया। हत्या के प्रकरण में विवेचना के दौरान एवं परीस्थितिजन्य साक्ष्य के अधार पर मृतक के परिजन एवं आसपास के लोगों से पुछताछ की गई। मौके पर लगातार पुलिस टीम की मौजूदगी एवं ग्राम अतरझोला में मृतक के बारे में पूछताछ करने पर अन्य कई ऐसी बाते उजागर हुई जो संदेह को जन्म देती थी। पुलिस अधीक्षक बेमेतरा धर्मेन्द्र सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी बेरला तेजराम पटेल के नेतृत्व में जो टीम गठित हुई थी उनका मौके पर लगातार बने रहने एवं वैज्ञानिक तथा पुरानी पद्धति से मौके को ना छोड़ना लगातार हत्या के संबंध में पूछताछ करते रहना और आरोपी पता साजी हेतु उसके रिश्तेदार परिवार आदि के यहां लगातार पुलिस के पुछताछ करने से पुलिस का दबाव बना। पुलिस के लगातार प्रयास से प्रकरण में विवेचना के दौरान परीस्थितिजन्य साक्ष्य के अधार पर संदेही दौवाराम सोनकर को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर पहले तो वह पुलिस को गुमराह करते रहा फिर कड़ाई से पुछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि इसके पिता गिरधारी सोनकर ने इसे और इसके मां को घर खर्च के लिए रूपये पैसा नहीं देता था वह रूपये पैसे के लिए तरसता था एवं लड़ाई झगड़ा करता था जिसे प्रार्थी पुत्र दौवाराम सोनकर ने अपने पिता गिरधारी सोनकर की हत्या करने की मंशा बनाकर घटना दिनांक को शाम 6 बजे अपने खेत में बने कुंदरा झोपडी के अंदर में अपने पिता के सिर में कुदारी से मारकर चोट पहुंचाकर हत्या कर कमर में बिजली सर्विस वायर से पीठ तरफ बोल्डर पत्थर बांधकर अपने खेत पास सुरही नदी में फेक देना बताया तथा आरोपी दौवाराम सोनकर के निशानदेही पर कुदारी, पत्थर, बिजली सर्विस वायर एवं अन्य आलाजरब जप्त किया गया। आरोपी दौवाराम सोनकर पिता गिरधारी सोनकर उम्र 22 साल साकिन अतरझोला थाना साजा जिला बेमेतरा को आज विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी साजा एवं थाना स्टाफ सउनि सीएल बंजारे, सउनि भानु प्रताप पटेल, सउनि कृष्णा सिंह क्षत्री, सउनि अरविंद शर्मा, प्रधान आरक्षक रामेश्वर मांडले, सुखेलाल बंजारे, डामेश्वर सिंह, येमन बघेल, आरक्षक विनोद पात्रे, इंद्रजीत पांडेय, जय किशन साहू, रामानुज जायसवाल गोलु पटेल, रोशन वर्मा, रमन चंद्राकर, महिला आरक्षक सरला भारती एवं अन्य स्टाफकी सराहनीय भूमिका रही।

सिरपुर में दिव्य गंगा आरती के साक्षी बने हजारों श्रद्धालु

संसदीय सचिव की पहल पर पहली बार हुआ आयोजन

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

सिरपुर के गंधेश्वरनाथ मंदिर के तट पर आयोजित दिव्य गंगा आरती में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर की पहल पर पहली बार इसका आयोजन हुआ है। इसे लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल रहा। आरती में उदघोष से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। संसदीय सचिव व विधायक चंद्राकर की पहल पर ऐतिहासिक नगरी सिरपुर में रविवार की शाम दिव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया था। जिसमें शामिल होने श्रद्धालु परिवार के साथ सिरपुर पहुंचे थे। पुरोहित पंडित पंकज तिवारी व विद्वान पंडितों के सानिध्य में मुख्य यजमान संसदीय सचिव चंद्राकर ने दिव्य आरती की। गंगा आरती को लेकर गंधेश्वर नाथ मंदिर ट्रस्ट कमेटी सिरपुर, श्री अतिरुद्रात्मक महायज्ञ समिति सिरपुर व बोलबम सेवा समिति द्वारा दीपक की व्यवस्था की गई थी। आयोजन समिति के दाउलाल चंद्राकर, बाबूलाल साहूए थनवार यादव, नुकेश चंद्राकर मंगलू ढीमर, सुखीराम हिरवानी, बाबूलाल ध्रुव, मोहन वर्मा, शशि शर्मा, जयंत गोयल, आरएस माली, शिवशंकर अग्रवाल के साथ ही राजेश नायक, भाउराम साहू, बद्री लड्ढा, मूलचंद लड्ढा, बसंत पदमवार, यादराम चंद्राकर, जागेश्वर चंद्राकर आदि व्यवस्था में सुबह से जुटे रहे। गंगा आरती में शामिल श्रद्धालुओं ने कहा कि पहली बार आयोजित इस कार्यक्रम में कांशी व बनारस जैसा नजारा दिखा।

गंगा आरती में चार पीढ़ी हुए शामिल

ऐतिहासिक नगरी सिरपुर में गंगा आरती के बाद हुई बारिश ने श्रद्धालुओं को गदगद कर दिया। वहीं सिरपुर में पहली बार आयोजित गंगा आरती में संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर के चार पीढ़ी भी शामिल हुए। संसदीय सचिव चंद्राकर के साथ ही उनके दादा–दादी, माता–पिता व उनके पुत्र–पुत्री शामिल हुए। इसके अलावा क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु भी इस कार्यक्रम के साक्षी बने। घंटों तक चली गंगा आरती के भक्तिमय माहौल में लोग खो गए थे। सिरपुर के महानदी तट पर माहौल देखते ही बन रहा था। सावन के अंतिम सोमवार को किया जलाभिषेक संसदीय सचिव चंद्राकर ने सावन महीने के अंतिम सोमवार को कनेकेरा के मंदिर में पहुंचकर जलाभिषेक किया। यहां लगातार सावन महीने के सोमवार को संसदीय सचिव चंद्राकर पहुंचकर जलाभिषेक कर विशेष पूजा में शामिल हुए। आज सोमवार को संसदीय सचिव चंद्राकर कनेकेरा पहुंचे और जलाभिषेक किया।

एक नजर

पेंड्री में महापौर द्वारा ज्योतिकक्ष भूमिपूजन एवं वृक्षारोपण किया

जोहार छत्तीसगढ़–राजनांदगांव।

वार्ड क्रमांक 20 पेंड्री में 7 अगस्त 2022 को महापौर हेमा देशमुख द्वारा मां शीतला मंदिर में विधि विधान से पूजा अर्चना कर अतिरिक्त ज्योतिकक्ष का भूमिपूजन एवं वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि चेयरमेन संतोष पिल्ले, गणेश पवार, पार्षद अमीन हुड्डा, पार्षद सकीला बेगम वार्ड 20, पिंकी साहू वार्ड 21 उपस्थित थे। वार्डवासियों द्वारा मुख्य अतिथि महापौर सहित विशेष अतिथियों का पुष्प गुच्छ एवं हार फूल एवं गुलाल के साथ स्वागत किया। वार्डवासियों द्वारा महापौर हेमा देशमुख को वार्ड की मुलभूत समस्याओं गौठान से पशु औषधालय तक सीसीसी करण, तालाबों की सौंदर्यीकरण, गौठान, मुक्तिधाम, बाऊंड्रीकरण, मंगलभवन निर्माण करने ज्ञापन सौंपा गया। महापौर ने कहा कि वार्ड विकास के लिए वार्डवासियों का सहयोग सराहनीय रहा। आगे भी वार्ड का विकास होते रहेगा। कार्यक्रम में राम्हू साहू, रेवाराम साहू, बेलस ठाकुर, मेघदास वैष्णव, इशाक खान, राजेश झा, रामेन्द्र देवांगन, परस लहरे, रामबेलास जोशी, सुखराम दास वैष्णव, जगेश्वर ठाकुर, गणेश सुपले, नकुल ठाकुर, श्यामलाल सिन्हा, जन्मेजय यादव, लालचंद यादव, कृष्णा साहू, तालुक कोटवार, राजकुमार साहू, रोशन मानिकपुरी, भूपेन्द्र साहूए महेन्द्र साहू, रामरतन यादव, संतोष साहू, घसिया सिन्हा, दुलारी बाई साहू, जुग्गा बाई साहू, कौशल यादव, बेन बाई ठाकुर, सरस्वती ठाकुर, हीरो बाई साहू सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी, शीतला समिति, वार्ड विकास समिति के सदस्यगण उपस्थित थे। उक्त जानकारी पार्षद प्रतिनिधि इशाख खान ने दिया।

सरपंच पर तीन ने किया हमला

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

होटल के पास खडे कनेकेरा सरपंच पर तीन लोगों ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस ने उनकी शिकायत पर बाइक सवार अज्ञात तीन युवकों के खिलाफ जुर्म दर्ज किया है। पुलिस को ग्राम कनेकेरा निवासी सरपंच नीलकंठ साहू ने बताया कि वे 7 अगस्त दोपहर करीब पौने 3 बजे कनेकेरा से महादेव घाट के पास बाइक से जा रहा था, जमुना होटल के पास पहुंचा था तभी वहां पहले से खडे तीन युवकों में से एक ने कुछ दिन पूर्व गाली देने की बात कहते हुए गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी दी और चाकू से वार कर तीनों ने मारपीट की। पुलिस ने उनकी शिकायत पर धारा 307, 34 के तहत जुर्म दर्ज कर जांच में लिया है।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजनांतर्गत साक्षात्कार 17 अगस्त को

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र महासमुंद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजनांतर्गत वर्ष 2022–23 के तहत प्राप्त आवेदनों के हितग्राहियों का चयन के लिए 17 अगस्त को साक्षात्कार लिया जाएगा। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार साक्षात्कार के लिए जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र कचहरी चौक महासमुंद में दोपहर 12 बजे हितग्राही समस्त दस्तावेजों सहित उपस्थित हो सकते है।

जिला लघु वनोपज सहकारी संघ के मंडल के सदस्यों के निर्वाचन के लिए तिथियां निर्धारित

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

जिला यूनियन की पंजीकृत उपविधि के अनुसार मंडल के लिए निर्वाचित किए जाने वाले 10 सदस्यों इनमें सामान्य वर्ग से 5, अनुसूचित जाति वर्ग एवं अन्य पिछड़ा वर्ग से एक–एक तथा अनुसूचित जनजाति वर्ग से 3 मण्डल के सदस्यों के निर्वाचन के लिए निर्वाचन कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। जिला लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित महासमुंद के रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि जिसके लिए नामांकन पत्र 17 अगस्त को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक कार्यालय प्रबंध संचालक, जिला लघु वनोपज सहकारी संघ महासमुंद में प्रस्तुत कर सकते है। नामांकन पत्रों की संवीक्षा जांच एवं वैद्य नामांकन पत्रों की सूची का प्रकाशन 18 अगस्त को दोपहर 12 बजे से होगा। 19 अगस्त 2022 को नामांकन पत्रों की वापसी तथा चुनाव के अंतिम उम्मीदवारों की सूची का प्रकाशन एवं चिन्हों का आबंटन किया जाएगा। विशेष साधारण सम्मेलन में चुनाव एवं मतगणना शनिवार 27 अगस्त को दोपहर 12 बजे से दोपहर 3 बजे तक वन रक्षक प्रशिक्षण शाला महासमुंद में होगा। रिक्त स्थानों का सहयोजन यदि हो तो 28 अगस्त को दोपहर 12 बजे से किया जाएगा। 29 अगस्त को अध्यक्षए उपाध्यक्ष एवं अन्य सोसायटियों के प्रतिनिधियों तथा अन्य पदाधिकारियों के निर्वाचन की सूचना जारी होगा तथा 2 सितम्बर 2022 को निर्वाचन कार्यालय प्रबंध संचालक जिला लघु वनोपज संघ महासमुंद में होगा।

चौथी से 12वीं तक के सभी विद्यार्थियों को बायजू की तरफ से पाठ्यक्रम के लिए वीडियो निःशुल्क

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एस आलोक के निर्देशन में आकांक्षी जिला महासमुंद के नीति आयोग एवं बायजू की जिला नोडल अधिकारी कु. आस्था झारिया द्वारा विकासखंड स्त्रोत केंद्र समन्वयकों की मासिक समीक्षा बैठक ली गई।

बैठक में बताया गया कि एजुकेशन फॉर ऑल प्रोग्राम के अन्तर्गत कक्षा चौथी से 12वीं तक के सभी छात्र–छात्राओं को बायजू की तरफ से उच्च गुणवत्ता के पाठ्यक्रम के लिए वीडियो जिसकी वार्षिक कीमत 80,000 तक की है। इस वीडियो को छात्र–छात्राओं को निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। इस संबंध में कु. आस्था झारिया ने बताया कि समस्त शासकीय, अशासकीय प्राथमिक स्तर के कक्षा चौथी से कक्षा 12वीं तक के सभी छात्र–छात्राएं इस योजना का लाभ ले सकते हैं। इसके लिए उनके पालकों के पास स्मार्ट फोन होना आवश्यक है, जिसमें बायजू एप्प को डाउनलोड कर पंजीयन करना होगा। वे अपने फोन से बायजू एप्प के माध्यम से विषय में विशेषज्ञ प्रशिक्षित शिक्षकों से प्रश्न भी पूछ सकते हैं। उनके प्रश्नों का समाधान विषय विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा किया जाएगा। इस एप्प से बच्चों को प्रौद्योगिकी के माध्यम से सीखने की क्षमता को बढ़ावा और पढ़ाई में सहयोग भी मिलेगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों के पास ऑडियो विजुअल लर्निंग के वीडियों ऑफ लाईन भी उपलब्ध होंगे, जिससे भविष्य में बच्चों की पढ़ाई जिस तरह कोविड काल में प्रभावित हुई थी। उस तरह की परिस्थिति दोबारा न उत्पन्न हो। इसके रजिस्ट्रेशन के लिए सभी बच्चों को एक गूगल फार्म भरना होगा।

सीएम को राखी भेजकर बहनों ने उपहार में सफाई कर्मचारियों ने मांगा पूर्णकालीन कलेक्टर दर वेतन

15 अगस्त को स्कूल सफाई कर्मचारियों को उपहार में पूर्णकालीन का दर्जा मिलने की आस

जोहार छत्तीसगढ़–रतनपुर।

छत्तीसगढ़ अंशकालीन स्कूल सफाई कर्मचारी राज्य में 11 वर्षों से काम कर रहे स्कूल सफ ाई कर्मचारियों को प्रति माह 2 हजार वेतन जिया जाता है। वह भी 4–5 माह में एक बार इस बार महिला कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री को राखी भेजकर उपहार में स्कूल सफ ाई कर्मचारियों को पूर्ण कालीन कलेक्टर दर पर हर माह समय पर वेतन देने की मांग की है। छत्तीसगढ़ राज्य में स्कूल सफ ाई कर्मचारियों ने 11 वर्षों से काम कर रहे हैं। यह प्रतिमाह 2 हजार भुगतान किया जाता है। इस वेतन का भुगतान भी 4 से 5 माह में वेतन दिया जाता है। इसमें भी जरूरी नहीं कि पूरे माह के बचे हुए वेतन का भुगतान किया जाए छत्तीसगढ़ के बाहर से पिछले वर्ष मई जून और जुलाई में मजदूरों के लिए स्कूलों को क्वाटाईन सेंटर बनाया गया है। ऐसे स्कूलों में मजदूरों को देखभाल आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही साफ–सफाई की जिम्मेदारी दी गई है। इसका भी अब तक वेतन भुगतान नहीं किया गया है।

इसे लेकर छत्तीसगढ़ अंशकालीन स्कूल सफाई कर्मचारियों के द्वारा शिक्षा मंत्री श्रम मंत्री स्वास्थ्य मंत्री और विधायक शैलेश पांडे के साथ वित्त विभाग मंत्रालय को ज्ञापन सौंपा जा चुका है। इसके बाद भी अब तक वेतन नहीं दिया गया है इसे देखते हुए प्रदेश महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष छाया साहू, महिला प्रकोष्ठ प्रभारी भारती बाला दुबे, धनेश्वरी देवांगन, तारानी कश्यप, ललिता,सहित अन्य महिलाओं ने मुख्यमंत्री के नाम राखी भेजकर उपहार में पूर्ण कालीन कलेक्टर दर पर वेतन भुगतान का उपहार मांगा है। जिसमें प्रांत अध्यक्ष संतोष खाण्डेकर, मीडिया प्रभारी शेखर बैशवाड़े व प्रदीप वर्मा ने 15 अगस्त तक मांग पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

सुकमा जिले में 2 दिनों से हो रहे लगातार बारिश की वजह से नदी नाले उफान पर

जोहार छत्तीसगढ़–सुकमा।

सुकमा जिले में फिर से एक बार बाढ़ के हालात बने हुए हैं। जिला मुख्यालय सुकमा से ओड़िसा के पड़ोसी जिला मलकानगिरी से संपर्क टूट गया है। सुकमा के झापरा पुल के ऊपर पानी आ जाने से ओड़िसा मार्ग बाधित है। वहीं सुकमा जिला के छिंदगढ़ विकास खंड के पुसपाल इलाके के कुछ गाँव बाढ़ की चपेट में आये हैं। कुछ स्थानों में बाढ़ के पानी की वजह से छिंदगढ़ ब्लॉक मुख्यालय से संपर्क टूटा हुआ है। कोंटा विकास खंड में शबरी के उफान व क्षेत्रीय नाले उफान पर होने के चलते दोरनापाल से तीन किलोमीटर आगे सुकमा जाने की दिशा में दुब्बाटोटा के पास पुल पर पानी आने से मार्ग बाधित है। कलेक्टर हरीश एस कर रहे बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा झापरा पुल जा कर लिया स्थिति का जायजा साथ ही आने जाने वाले यात्रियों को नगर सेनानी द्वारा नाव के माध्यम से लोगों को सुरक्षित पार करवाया जा रहा है।

कलेक्टर ने ली जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

कलेक्टर निलेशकुमार क्षीरसागर ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत नियमित टीकाकरण के लिए जिला स्तरीय प्रथम टास्क फोर्स समिति की बैठक ली।

उन्होंने जिले में शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत नियमित टीकाकरण कार्यक्रम को अधिक सुदृढ़ीकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि सभी पात्र बच्चों का टीकाकरण शत प्रतिशत होना चाहिए। ताकि उन्हें विभिन्न बीमारियों से बचाया जा सके। इसके लिए शहरी क्षेत्रों के वार्डों के हितग्राहियों के घरों में जा जाकर टीकाकरण कराने के लिए प्रेरित करें। इसके लिए नगरीय निकाय, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों द्वारा समन्वय स्थापित कर टीकाकरण के महत्व के बारे में जागरूक करें। संबंधित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को भी आग्रह करें कि वे भी टीकाकरण के महत्व के बारे में बताएं।कलेक्टर ने कहा कि कोविड–19 टीकाकरण के दौरान जिले के अधिकारी–कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों, आम नागरिकों, स्वयंसेवी संगठनों द्वारा लोगों के टीकाकरण कराने के लिए काफी सराहनीय पहल की गई थी। जिसके कारण महासमुंद जिला प्रदेश में शत प्रतिशत टीकाकरण कराने में प्रथम स्थान पर था। इसी तरह छोटे बच्चों का भी शत प्रतिशत टीकाकरण कराएं। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारी को कहा कि जिले के कम टीकाकरण कव्हरेज वाले क्षेत्रों को पहले चिन्हांकित करें एवं उन क्षेत्रों में पहले विशेष टीकाकरण सत्रों का आयोजन करें।। इसके लिए विभिन्न प्रचार माध्यमों के साथ सामुदायिक स्तर पर और मुनादी के साथ किया जाए। अभियान के दौरान टीकाकरण सहित अन्य बाल एवं मातृ स्वास्थ्य संबंधी अन्य सेवाएं भी मुहैया कराएं। इसके लिए मितानिन द्वारा डोर–टू–डोर सर्वे कर पात्र लाभार्थियों की सूची भी तैयार करें। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एस आलोक, अपर कलेक्टर डॉ. नेहा कपूर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एसआर बंजारे, जिला कार्यक्रम अधिकारी समीर पाण्डेय, शिक्षा विभाग के सहायक संचालक हिमांशु भारतीय, पशु चिकित्सा सेवाएं के उप संचालक डॉ. डीडी झारिया, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. अरविन्द गुप्ता, जिला कार्यक्रम प्रबंधक रोहित कुमार वर्मा, एमएनसीएच, सलाहकार डॉ. मुकुन्द राव घोड़ेसवार सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

धन्वन्तरि जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना, 13 हजार से अधिक लोगों ने खरीदी रियायती दर पर असरकारक दवाईयां

जोहार छत्तीसगढ़–कोरिया।

छतीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी योजना धन्वन्तरि जेनेरिक मेडिकल स्टोर आम लोगों के लिए लाभकारी साबित हो रही है। कोरिया जिले में भी योजना का सफ लतापूर्वक संचालन किया जा रहा हैए जिसके तहत कुल 07 स्टोर में रियायती दर पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयों से जनसामान्य के स्वास्थ्य क्षेत्र में होने वाले अतिरिक्त खर्चों में कमी आयी है। जिले में संचालित धन्वन्तरि जेनेरिक मेडिकल स्टोर में कुल 13,421 लोगों ने 2.21 करोड़ रुपये एमआरपी की दवाईयां 1.25 करोड़ रुपए की बचत कर आधी से भी कम कीमत पर लगभग 58 लाख 45 हजार रुपए में खरीदीं। मेडिकल स्टोर में विभिन्न बीमारियों से सम्बंधित 251 प्रकार की दवाइयां तथा 27 प्रकार के सर्जिकल आईटम सर्वाधिक 58.48 प्रतिशत डिस्काउंट पर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त धन्वन्तरि मेडीकल स्टोर में विक्रय हेतु राज्य में निर्मित हर्बल उत्पाद भी रखे गए हैं।

2.21 करोड़ रुपये एमआरपी की दवाईयां 1.25 करोड़ रुपए की बचत पर हितग्राहियों को मिली आधी से भी कम कीमत पर

लोगों ने बताया दवाईयों पर मिल रही छूट से हो रही काफी बचत

चिरमिरी पालिका निगम चिरमिरी स्थित स्टोर में दवाइयां खरीदने आए सपन कमार साहा बताते हैं कि मैं यहां माता–पिता के लिए दवाएं लेने आता हूं पहले मुझे 9 से 10 हजार दवाईयों पर खर्च करने पड़ते थे यहां मुझे उसी फॉर्मूले की असरकारक दवाएं मात्र 4.5 हजार में मिल रहीं हैं। वहीं गोदरीपारा की कलावती ने बताया कि मुझे प्रति सप्ताह बीपी, शुगर व थाइराईड की 500 रुपए तक की दवा लगती थी। परन्तु मुझे यहां दवाएं 250 रुपए में मिली है। जिससे काफी बचत हो रही है।

पर्यावरण मित्र सम्मान से नवाजे गए किशोर

जोहार छत्तीसगढ़–बेमेतरा।

अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध संस्थान लखनऊ के सभागार में नगर पंचायत नवागढ़ के युवा किसान किशोर कुमार राजपूत को पर्यावरण मित्र सम्मान 2022 से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार पर्यावरण संरक्षण और वृक्ष रोपण करके वन संवर्धन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को दिया जाता है।

नीम रत्न राष्ट्रीय पुस्कर विजेता और ग्लोबल नीम आर्गनाइजेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डाक्टर वी के सिंह ने बताया कि पिछले कई वर्षों से खेती में नीम आधारित जैविक खेती के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन में किशोर कुमार राजपूत ने सराहनीय कार्य किया था। उनके इन्हीं कार्यों को ध्यान में रखते हुए ग्लोबल नीम आर्गनाइजेशन ने युवा किसान को पर्यावरण मित्र सम्मान 2022 से सम्मानित किया। इस अवार्ड का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण के कार्यों में प्रतिभाग करने वाले सभी लोगों को सम्मानित करना ताकि कार्य करने हेतु प्रोत्साहन मिल सकें।

गांव के इस युवा किसान ने देशी बीज को बचा कर नीम आधारित जैविक खाद का निर्माण कर अपने खेतों में मित्र कीटो की संख्या को बढ़ाया साथ ही साथ दूसरे किसानों को प्रेरित किया।

पर्यावरण मित्र सम्मान प्राप्त किशोर कुमार राजपूत का कहना है कि यह मेरे लिए अत्यधिक हर्ष का विषय है। नीम का खेती में महत्व हमें कीट पतंग प्रबंधन में और शुद्ध अनाज के साथ–साथ कई औषधीय गुणों से युक्त भोजन प्रदान करता है। आज राज्य सरकार भी जैविक खेती करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। इसी क्रम में पंजाब जैसे राज्य में रासायनिक खादों से सेहत पर पड़ने वाले असर को सब जानते हैं। जिसकी पुनरावित्तीय न हो ये प्रयास करना जरूरी है।

इस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि डाक्टर महेंद्र सिंह पूर्व कैबिनेट मंत्री जल शक्ति एवम नमामी गंगे उत्तर प्रदेश सरकार, भदंत शक्ति मिश्रा राज्य मंत्री अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान यूपी, पवन सिंह चौहान सदस्य विधान परिषद अध्यक्ष एस आर इंस्टी ट्यूशन लखनऊ, डॉक्टर अफ्रोज अहमद प्रधान न्यायधीश राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण नई दिल्ली, एस के दौरा मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड लखनऊ, कर्नल ज्ञानेद्र प्रताप सिंह कौशिक, राम महेश मिश्रा, भाग्योदय फ उंडेशन, एचबी सिंह यूपी राज्य पर्यावरण आंकलन समिति, आर ए एस खंगार नीम मैन पूर्व सहायक महा प्रबंधक नाबार्ड लखनऊ डॉक्टर धर्मेंद्र सिंह संस्थापक अध्यक्ष नीम पीपल तुलसी अभियान थे। किशोर कुमार राजपूत ने पर्यावरण मित्र सम्मान 2022 प्राप्त होने पर ग्लोबल नीम आर्गनाइजेशन चयन समिति के सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

मनेंद्रगढ़ विधायक प्रतिनिधि एवं भाजपा किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष के बीच हुई जम कर मारपीट दोनों हुये लहूलुहान

जोहार छत्तीसगढ़-कोरिया।

आपको बता दें की कोरिया जिले में अब राजनीति इस कदर हो रही कि आरोप-प्रत्यारोप के साथ अब खूनी खेल शुरू हो गया है जनप्रतिनिधि एक दूसरे को जान से मारने तक सामने आ चुके हैं।

मनेंद्रगढ़ विधायक प्रतिनिधि शिवांश जैन एवं भाजपा किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष चंदन गुप्ता के बीच जमकर हाथापाई हुई। जिसके बाद बीजेपी कार्यकर्ताओं द्वारा थाने में जाकर जम कर हंगामा किया गया। वही कांग्रेस पार्टी के समर्थक भी काफी संख्या में थाना पहुंचे हुए। अब यह मारपीट का मामला कहीं ना कहीं एक राजनीतिक मुद्दा बनता दिखाई दे रहा है। मिली जानकारी के अनुसार चन्दन गुप्ता द्वारा शिवांश जैन के दुकान के बाहर खड़ी ट्रक का वीडियो बनाने को लेकर विवाद शुरू हुआ देखते ही देखते चंदन गुप्ता एवं शिवांश जैन के बिच झगड़ा इतना बढ़ गया कि एक दूसरे के साथ गली गलौज के बाद मारपीट करने लगे वही मारपीट के दौरान चंदन गुप्ता के सर पर गंभीर चोटें आई वहीं शिवांश जैन के सिर में भी चोट आई है दोनों पक्षों द्वारा चिरमिरी थाने में रिपोर्ट करने के बाद दोनों को बड़ी बाजार हॉस्पिटल एमएलसी एवं प्राथमिक उपचार के लिए भेजा गया। स्थानीय डॉक्टर द्वारा प्राथमिक उपचार देकर दोनों की स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल बैकुंठपुर रेफ र किया गया। उसके बाद बैकुंठपुर से चंदन की हालत गंभीर देखते हुए अभी रायपुर में इलाज के लिए भेजा गया वहां इलाज चंदन गुप्ता की जा रही है। वही चिरमिरी थाना प्रभारी का कहना है कि मामला पंजीबद्ध कर लिया गया है। जांच शुरू कर दी गई है दोनों के एमएलसी रिपोर्ट आने के बाद जांच में जो भी आएगा दोषी पर कार्यवाही की जाएगी।

एक नजर

स्व सहायता समूह की महिलाएं दुगुने उत्साह के साथ तैयार कर रही झण्डे

जिले में पांच समूह की महिलाओं ने बनाए 6 हजार तिरंगे

जोहार छत्तीसगढ़-कोरिया।

जिले में स्वसहायता समूहों की महिलाएं बेहद उत्साह के साथ तिरंगा झंडा तैयार कर रही हैं। वे खुशी जाहिर करते हुए कहती हैं कि शासन ने उन्हें इस महत्वपूर्ण अभियान से जोड़ा है और अब वे दुगुने जोश से स्वतंत्रता दिवस और स्वतंत्रता सप्ताह के लिए समर्पित भाव से तैयारी कर रही हैं। 15 अगस्त 2022 को आजादी की 75वीं वर्षगांठ के पावन अवसर पर पूरे देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस को खास बनाने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आह्वान पर प्रदेश में 11 अगस्त से 17 अगस्त तक स्वतंत्रता सप्ताह का आयोजन होगा। जिले में हमर तिरंगा अभियान के तहत हर गांव, हर शहर, हर घर में तिरंगा फहराया जाएगा और विविध कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में स्व सहायता समूह की महिलाएं तिरंगे झण्डे निर्माण का कार्य कर रहीं हैं। विकासखण्ड बैकुण्ठपुर के पटना की आदर्श हिन्द महिला स्व सहायता समूह की अध्यक्ष ने बताया कि हमें बिहान द्वारा तिरंगा झण्डा निर्माण कार्य के बारे में बताया गया तो हम बहुत खुश हुए की हमारे बनाए झण्डे घर-घर फहराए जाएंगे।

गौठानों में जारी गोमूत्र खरीदी

समूह की महिलाओं ने गोमूत्र से बनाया जीवमृत तथा ब्रम्हास्त्र कीटनाशक सी-मार्ट में होंगे उपलब्ध

जोहार छत्तीसगढ़-कोरिया।

शासन की महत्वाकांक्षी गोधन न्याय योजना आमजनों के सपने साकार करने वाली योजना बन गयी है। योजनांतर्गत पशुपालकों को गोबर विक्रय से एक ओर अतिरिक्त आमदनी मिली। वहीं दूसरी ओर गोबर से वर्मी कम्पोस्ट खाद निर्माण एवं विक्रय ने महिलाओं को स्वरोजगार का नया जरिया दिया। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा पशुपालकों को एक और सौगात दी गईए हरेली त्यौहार से गौठानों में गोमूत्र की भी खरीदी की शुरुआत से लोगों को आजीविका का नवीन माध्यम मिल गया।

जिले में कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में दो गौठानों में गोमूत्र खरीदी की जा रही है। जिनमें विकासखण्ड बैकुण्ठपुर के जूनापारा एवं विकासखण्ड सोनहत के पोड़ी गौठान में गोमूत्र खरीदकर महिलाओं द्वारा जीवामृत तथा ब्रम्हास्त्र का निर्माण किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि अब तक जिले में 4 रुपए प्रतिलीटर की दर से कुल 279 लीटर गोमूत्र की खरीदी की गई है। गोमूत्र से निर्मित उत्पादों को जिला मुख्यालय में स्थित सीमार्ट में विक्रय हेतु रखा जाएगा।

इस तरह बनाए जा रहे उत्पाद

रासायनिक खाद तथा कीटनाशक के अत्यधिक प्रयोग से मृदा तथा भूमि को नुकसान पहुंचता है वहीं मानव स्वास्थ्य में भी इसके घातक परिणाम देखने मिलते हैं। जूनापारा गौठान कि भक्ति महिला स्व सहायता समूह की अध्यक्ष पार्वती ने बताया कि जीवामृत एक पारम्परिक जैव कीटनाशक है। गोमूत्र में बेसन, गुड़, गोबर, मिट्टी, पानी निश्चित अनुपात में अच्छी तरह मिलाकर ढंककर रखा जाता है। समय.समय पर इसे लकड़ी की सहायता से मिलाया जाता है। लगभग 2 से 3 दिनों में किण्वन प्रक्रिया से जीवामृत तैयार हो जाता है। जीवामृत में भरपूर मात्रा में जैविक पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो पौधों एवं मृदा के लिए उपयोगी है। इसी प्रकार गौमूत्र में पानी तथा विभिन्न प्रकार की पत्तियों को पीसकर मिलाया जाता है। फि र अच्छी तरह उबालकर 24 घण्टे ठंडा करने के बाद छानकर ब्रम्हास्त्र बनाया जाता है। यह जैविक कीटनाशक रासायनिक कीटनाशकों की अपेक्षा पौधों की कीटों से रक्षा के लिए अच्छा विकल्प है।

आकर्षक झांकी के साथ 108 फीट लंबी कांवर यात्रा निकली

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

जिले के पिथौरा विकासखण्ड के सरस्वती शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर के भैया बहनों द्वारा सावन के अंतिम सोमवार दिनांक 8 अगस्त को 108 फीट लंबी कांवर यात्रा निकाली गई।

सुबह नगर में सरस्वती शिशु मंदिर के भैया बहनों द्वारा जीवंत झांकी के साथ कांवड़ यात्रा का आयोजन किया।

108 फीट लंबी कांवड़ को कुल 51 भैया बहनों ने उठाया था। इस कांवड़ में जल चढ़ाने वाले भैया बहनों एवम आचार्य दीदियों ने गंगा जल को लोटे में रख कर बंधा था। यह यात्रा सशिम विद्यालय से श्रद्धाभाव से निकल कर थानेश्वर महादेव मंदिर पहुंची जहां पूजन कर शिवलिंग में जल अर्पण किया गया। इस दौरान विद्यालत के बच्चों द्वारा आकर्षक जीवंत झांकी निकाली जिनमे शिव जी की बारात निकाली और भूत प्रेत बने नन्हे भैया बहन बारात में शिव भजन की धुन में नाचते दिखाई दिए। इस झांकी का नगरवासियों ने जमकर आनन्द उठाया। सुबह 9 बजे विद्यालय से कांवर यात्रा निकली जो गार्डन चौक,बागबाहरा मार्ग,बस स्टैंड, जिला सहकारी बैंक मार्ग से सीधा थानेश्वर महादेव मंदिर पहुंची जहां विधिवत पूजा अर्चना के बाद जलाभिषेक किया गया। इसके पूर्व विद्यालय में कांवर उठाने के पूर्व पूरे श्रद्धा से कांवड़ की पूजा कर थानेश्वर महादेव में जल अर्पण का संकल्प लिया गया। इस यात्रा में पुलिस प्रशासन का भी शोभायात्रा के लिए विशेष सहयोग रहा इस भव्य शोभायात्रा में विद्यालय के छात्र-छात्राएं शिक्षक विद्यालय समिति के पदाधिकारी गणमान्य नागरिक काफ ी संख्या में उपस्थित थे। कांवर यात्रा प्रभारी वरिष्ठ आचार्य टेकलाल जगत ने कांवड़ यात्रा में मीले सहयोग के लिए पुलिस प्रशासन, समिति सदस्यों सहित सभी पालकों का आभार व्यक्त किया है।

सुकमा जिले के किस्टाराम सिंदूरगुड़ा इलाके में दो वाहनों को नक्सलियों ने किया आग के हवाले

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

सुकमा जिले के किस्टाराम के सिंदूरगुड़ा इलाके में दो वाहनों को लगाया आग नक्सलियों ने एक ट्रक व जेसीपी को आग के हवाले कर दिया है। ट्रक में आग लगाने के बाद नक्सली फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही सुरक्षाबल के जवान मौके पर के लिए रवाना हो चुके हैं। ठेकेदार द्वारा बिना सुरक्षा वाहनों को ले जाने की लापरवाही दिखी। सुकमा एसपी सुनील शर्मा ने बताया कि तेलांगना राज्य और सुकमा जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित गोदावरी नदी में बीते दिनों भारी बारिश की वजह से बाढ़ आ गई थी। बाढ़ आने की वजह से किस्टाराम थाना क्षेत्र में स्थित कासाराम नाले में बना पुलिया क्षतिग्रस्त हो गया था। उन्होंने इसे ठेकेदार की लापरवाही बताते हुए कहा कि सम्बंधित ठेकेदार ने सुरक्षाबल को बिना सूचना दिए बगैर ही क्षतिग्रस्त पुलिया के रिपेयरिंग का काम शुरू कर दिया था। और आज जैसे ही ठेकेदार का ट्रक पुलिया के पास पहुंचा इसकी भनक नक्सलियों को लग गई। इसके बाद नक्सलियों पुलिया के पास खड़े ट्रक को आग के हवाले कर दिया। घटना को अंजाम देने के बाद वहां से फ रार हो गए। एसपी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही सुरक्षाबल के जवानों को मौके के लिए रवाना कर दिया गया है।

रक्षाबंधन पर्व, भाइयों की कलाइयों में सजेगी तिरंगा राखी

कोरबा । चांवल देगा तिरंगे का सफेद रंग, मूंग से हरा और गाजर से केसरिया रंग का उपयोग कर धंवईपुर की जननी स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने आकर्षक राखी तैयार की है। हर बार नए अंदाज में रक्षाबंधन पर भाइयों की कलाई सजाने के लिए राखी बनाने वाली इस समूह ने इस बार अमृत महोत्सव के माहौल को देखते हुए इस बार ज्यादातर राखियां तिरंगे थीम पर तैयार की है। घर-घर तिरंगे के संदेश को मूर्त रूप देने के लिए अनाज के अलावा नारियल बूच, पैरा आदि की सजावट के साथ मौली और रेशम धागा से भी तिरंगा राखियां बनाई जा रही हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक नारायण बाईन, द्वारा आसमा पब्लिसर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित कर मेडरमार कालोनी, जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित।
संपादक -**नारायण बाईन,** फोन -फैक्स 07766299001, मो, 9479177711, 7489419194 Email-joharchhattisgarh@gmail.com, joharchhattisgarh@yahoo.co.in